प्रदेश प्रभारी संदीप पाठक का प्रवास हुआ रद्द

आप सहप्रभारी अहलावत छत्तीसगढ़ पहुंचे, ली बैठक

नवभारत ब्यूरो। रायपुर। आम आदमी पार्टी के सहप्रभारी मुकेश अहलावत छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। शनिवार को राजधानी के शंकर नगर स्थित सिंधु भवन में रायपुर और महासमुंद लोकसभा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक ली। मालूम हो कि आप प्रदेश प्रभारी डॉ. संदीप पाठक का भी छग दौरा प्रस्तावित था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वे नहीं आए। आप कर्मचारी विंग के प्रदेश अध्यक्ष विजय झा ने बताया कि सहप्रभारी श्री अहलावत ने रायपुर-महासमुंद लोकसभा की बैठक में राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थितियों और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव के समय किए गए वादों की वर्तमान स्थिति जानी और एनएचएम आंदोलन की भी जानकारी ली। श्री झा ने बताया कि रायपुर, महासमुंद लोकसभा से पहले 11 सितंबर को बिलासपुर-जांजगीर, 12 सितंबर को दुर्ग-राजनांदगांव लोकसभा की बैठक ली और आखिरी में शनिवार को रायपुर-महासमुंद लोकसभा की बैठक की।

महीनेभर बाद भी किरणदेव की टीम अधूरी, केवल 48 नियुक्तियां हुईं

कार्यसमिति, स्थायी व विशेष आमंत्रित सदस्य अब तक घोषित नहीं कर पाई भाजपा

संगठन के विभिन्न पदों पर काम कर चुके नेता फिलहाल खाली होने से दुखी

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में 280 लोगों को शामिल किया जाता है

दर्जनों पद उपाध्यक्ष और सदस्य के रिक्त, नियुक्ति की आस लगाए बैठे नेता

नवभारत ब्यूरो। रायपुर। आठ महीने के लंबे इंतजार के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरणदेव ने गत 13 अगस्त को अपने टीम के प्रमुख 48 पदों पर नियुक्ति की, किंतु एक महीना गुजर जाने के बाद भी पूरी कार्यकारिणी जारी नहीं हो पाई है। अब भी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश स्थायी सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्यों की नियुक्ति नहीं हुई है, जिसे लेकर भाजपा नेता उम्मीद लगाए बैठे हैं।

उल्लेखनीय है कि कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश स्थायी सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्यों के पद पर पुराने नेता काबिज हैं। हालांकि ये पद इतने महत्वपूर्ण नहीं हैं, मगर भाजपा नेता बताते हैं कि जो लोग पहले पार्टी के विभिन्न पदों पर रहकर काम कर चुके हैं, उन्हें सम्मानपूर्वक प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश स्थायी सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर रखा जाता है, किंतु वर्तमान में नई टीम के आने के बाद पुराने अधिकांश नेता बाहर हो गए हैं, वे किसी पद में भी नहीं हैं। न ही ऐसे नेताओं की कोई पूछ-परख हो रही है। इससे लेकर भाजपा नेता बेहद दुखी हैं।

सात मोर्चा की कार्यकारिणी का भी इंतजार

भाजपा ने सात मोर्चा भारतीय जनता युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, एससी मोर्चा और एसटी मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है, लेकिन महीनेभर बाद उनकी कार्यकारिणी को लेकर कोई भी सुगबुगाहट नहीं है। मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्षों का अभी तक स्वागत का सिलसिला चल रहा है। मोर्चा में भी पद की उम्मीद लगाए बैठे नेताओं का मानना है कि नियुक्ति जल्द हो तो कार्य भी शुरू होगा, क्योंकि वर्तमान में जो पदों पर काबिज हैं, उन्हें मालूम है कि वे हटा दिए जाएंगे। ऐसी स्थिति में संगठन के कार्यों को गति नहीं मिल रही है। भीड़ जरूर जुट रही है, लेकिन कार्यों में रुचि कम है।

सत्ता में भागीदारी की उम्मीद बरकरार

मोर्चा-प्रकोष्ठों के नेताओं को अब भी सत्ता में भागीदारी का इंतजार है। ऐसे कई नेता हैं जो सत्ता के विभिन्न पदों पर काबिज होने के लिए ऐढ़ी-चोटी का जोर लगा रहा हैं। वैसे तो निगम, मंडल, आयोग में नियुक्तियां हो चुकी हैं, लेकिन ऐसे दर्जनों पद उपाध्यक्ष और सदस्य के रिक्त हैं, जिस पर भाजपा नेताओं को नियुक्ति का इंतजार है। दो साल गुजर जाने के बाद अब शेष ढाई साल ही सरकार का कार्यकाल बचा है। छह महीना चुनावी वर्ष में गिना जाता है।

प्रकोष्ठों के अध्यक्ष भी नहीं बदले गए

भाजपा की संगठन संरचना में मोर्चा के अलावा 22 प्रकोष्ठ भी हैं। इन प्रकोष्ठों के न तो प्रदेश संयोजक बदले गए हैं, न नई कार्यकारिणी को लेकर कोई निर्देश जारी हुआ है। प्रकोष्ठों के पुराने अध्यक्ष भी काबिज हैं। उन्हें भी मालूम है कि उनकी भूमिका संगठन में बदल जाएगी। ऐसी स्थिति में प्रकोष्ठों का काम तो पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है।

न्यूज कैप्सूल

नेशनल लोक अदालत में 24 मामलों का हुआ निपटारा

रायपुर। रायपुर में लोगों को सुलभ न्याय मिल सके इसके लिए समय-समय पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में शनिवार को कार्यालय जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, पंडरी में पुराने मामले को निपटाने के लिए अदालत की सुनवाई पूरी की। इस दौरान बैंकिंग, बीमा, इलेट्रिसिटी, मोबाइल, हाउसिंग, हेल्थ, रेलवे व अन्य कुल 73 मामले सामने आए, जिसमें 24 मामले का निपटारा किया गया। दोनों पक्षों में राजीनामा होने पर प्रकरण को समाप्त किया गया। बैंकिंग के कुल 9 मामले आए, जिसमें 2 का निपटारा कर 169810 रुपए, बीमा से 12950823 रुपए और अन्य मामले से 189770 रुपए का राजीनामा तैयार किया गया।

अफसरों के चहेतों को नियुक्ति देने का आरोप !

रायपुर। राज्य शासन के वन विभाग में वाहन चालक, ट्रक चालक व ट्रेक्टर चालक भर्ती परीक्षा को लेकर शिकायतें शुरू हो गई हैं। सोमवार को नियुक्ति आदेश जारी होने की संभावना है। इसके पहले शनिवार को शिकायतों का दौर शुरू हो गया है और आरोप लगाए जा रहे हैं कि नियमों को ताक पर रखकर वन विभाग के अफसर अपने-अपने चहेतों को नियुक्तियां दे रहे हैं। ऐसी ही एक शिकायत 'नवभारत' को भी प्राप्त हुई है, जो रायपुर जिले से संबंधित है और आरोप रायपुर डीएफओ पर लग रहे हैं। जिसे लेकर संपर्क करने की कोशिश की गई, मगर उनसे संपर्क नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़ ने वाहन चालक के 77 पदों और हल्का वाहन चालक के 67 पदों पर गत 22 मई 2023 से 11 जून 2023 तक आवेदन आमंत्रित किया था। छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिए आवेदन भरने की अंतिम तिथि 1 जुलाई 2024 निर्धारित की गई थी। इस दौरान हजारों की संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिसकी स्क्रूटनी के बाद 24 अप्रैल 2025 और 30 अप्रैल 2025 को लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। लिखित परीक्षा के बाद प्रायोगिक परीक्षा हुई। फिर 17 से 25 जून 2025 के बीच दावा- आपत्ति मंगवाई गई। दावा-आपत्ति के निराकरण के बाद मेरिट सूची जारी की गई। मेरिट सूची जारी होने के बाद शिकायतों का दौर शुरू हुआ। जिन लोगों का नाम मेरिट सूची में आये, उनके दस्तावेज निकाले गए और किसी के अनुभव प्रमाण पत्र पर आपत्ति जताई गई तो किसी के खिलाफ आपराधिक प्रकरण की जानकारी सामने आई।

रिंग रोड पर हाईवा ने युवक को कुचला, मौत

रायपुर। नवभारत ब्यूरो। कुशालपुर में वॉलफोर्ट सिटी के पास रिंग रोड पर शनिवार रात नौ-साढ़े नौ बजे के मध्य तेज रफ्तार हाईवा ने पैदल रोड पार कर रहे एक युवक को कुचल दिया। मौके पर ही युवक की मौत हो गई। पुरानीबस्ती पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। वह 19-20 साल का होगा। उसके आसपास का ही रहने वाला होने का अनुमान है। मृतक पैदल था और वॉलफोर्ट सिटी के पास रोड पार करते समय हाईवा की चपेट में आया है। शव को एम्स में सुरक्षित रखा गया है।

बिजली बिल जैसे बड़े मुद्दे पर हाथ पर हाथ धरे बैठे नेताओं से कार्यकर्ता नाराज

जनहित से जुड़े मुद्दों को भी समय पर लपकने में नाकाम कांग्रेस

बयानबाजी की औपचारिकता में ही सिमट गया मुद्दा

बिजली बिल के मुद्दे पर वरिष्ठ नेता भी लंबी लड़ाई के पक्ष में

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट के दौरे को लेकर फिर संगठन में सियासी सरगर्मियां बढ़ रही हैं। प्रदेश कांग्रेस के नेता और पदाधिकारी अभी संगठनात्मक मामलों में उलझे हुए हैं। वहीं राज्य सरकार के खिलाफ कई बड़े मुद्दे हावी होने के बावजूद संगठन इसे पूरे दमखम के साथ नहीं उठा पा रहा है। पार्टी के भीतरखाने में ही इसे लेकर चर्चाएं होने लगी हैं। कुछ वरिष्ठ नेताओं के साथ पदाधिकारी भी मानते हैं कि वर्तमान में जनहित के कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर कांग्रेस को आक्रामक होकर अटैक करना चाहिए लेकिन इस मामले में पार्टी सिर्फ बयानबाजी तक सिमटी हुई है। कांग्रेस के आला नेतओं का मानना है कि बिजली बिल हाफ योजना को संशोधित किए जाने के बाद घरों में आ रहे दोगुना बिजली बिल बड़ा मुद्दा है। इसे लेकर बड़े आंदोलन की गुंजाइश है, जो सीधे कांग्रेस पार्टी को आम लोगों से जोड़ेगी।

प्रदेश में राज्य सरकार के खिलाफ हावी कई जनहित से जुड़े ज्वलंत मुद्दों की अब आम लोगों में भी चर्चा होने लगी है। इन मुद्दों पर विपक्ष की आक्रामकता अब तक नजर नहीं आई है। बिजली बिल हाफ योजना खत्म होने के बाद प्रदेश में लगभग सभी घरों में बढ़कर आ रहे भारी भरकम बिजली बिल ने आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ को और बढ़ा दिया है।

बिजली बिल को लेकर बड़े आंदोलन की जरूरत

बीते दो साल में करीब चार बार बिजली की दरों में इजाफे के बाद बिजली बिल हाफ योजना बंद करने का असर अब घरों में आ रहे बिजली बिलों पर नजर आ रहा है। कांग्रेस में खुद आला नेताओं और पदाधिकारियों के बीच इसकी चर्चा हो रही है। कांग्रेस के पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता भी मानते हैं कि इस मामले में एक दिन के औपचारिक विरोध प्रदर्शन या पुतला फूंकने से कुछ नहीं होने वाला। बल्कि एक व्यापक जनआंदोलन की रणनीति बनानी होगी। आम लोगों में भी बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर भारी गुस्सा है। उन्हें भी आंदोलन में शामिल करना चाहिए। इधर बिजली बिल के मामले में कांग्रेस के नेता सिर्फ बयानबाजी कर ही औपचारिकता पूरी करते रहे हैं। इसी तरह खाद संकट से लेकर पूर्व में युक्तियुक्तकरण के मुद्दे को भी लपकने के बजाय कांग्रेस ने बयानबाजी की औपचारिकता निभाकर छोड़ दिया था।

खाद पर किसान चीखते रहे, कांग्रेस नहीं कर पाई कुछ

प्रदेश में डीएपी खाद और यूरिया संकट पर भी किसान बीते दो माह से परेशान हो रहे हैं। इस पर भी कोई प्रभावी आंदोलन खड़ा कर पाने में नाकाम रहे। नतीजतन जिला स्तर कुछ ही जिला संगठनों ने सीमित स्थानों में विरोध प्रदर्शन कर किसानों के साथ खड़ा रहने की कोशिश की। किसानों से जुड़ा यह मुद्दा भी एक तरह से फिसल गया।

युक्तियुक्तकरण मामले में भी लेटलतीफी

स्कूल शिक्षा विभाग में युक्तियुक्तकरण के फैसले को लेकर भी भारी नाराजगी सामने आई। कांग्रेस ने इस मामले में आंदोलन की शुरुआत तब की, जब पूरी प्रक्रिया अंतिम दौर में पहुंच गई। इस वजह से भी यह आंदोलन कोई असर नहीं डाल पाया। बल्कि औपचारिक होकर रह गया।

जमीन के 15 फीट नीचे मेन पाइप सुधारने में लगे 6 घंटे

नवभारत रिपोर्टर । रायपुर।

गंगरेल से नगर निगम के फिल्टर प्लांट में आने वाले पानी को सुरक्षित तरीके से लाने के लिए माना के पास स्थित जिस मांढर केनॉल से लगभग 6 फीट डॉयस की 1400 एमएम व्यास की पाइपलाइन भाठागांव से प्लांट तक गई है। इसी पाइप में लगभग आधा फीट के क्रेक को सुधारने में निगम को शुक्रवार की रात 10 बजे से शटडाउन कर पानी को रोकना पड़ा। इसके बाद शनिवार को सुबह सप्लाई के बाद कुल 6 घंटे का समय इसके सुधार में लगा। इसी सुधार कार्य के चलते राजधानी की आधी से अधिक आबादी को शनिवार की शाम पीने का पानी नहीं मिल पाया। निगम ने इस सुधार के लिए शुक्रवार की रात शटडाउन लिया था। इससे पहले शहर की 43 टंकियों में पानी भरने के कारण शनिवार की सुबह पानी सप्लाई कर दी थी। इनमें से शाम को 32 टंकियां प्रभावित होने के कारण सप्लाई नहीं हो पाई। निगम में जलकार्य विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र ने बताया कि इस पानी सप्लाई व्यवस्था के लिए जरूरी इस पाइप को जमीन के 15 फीट भीतर डाला गया था, इसलिए इसकी मरम्मत में काफी मेहनत करनी पड़ी। भिलाई से आये एक्सपर्ट वेल्डर्स की टीम ने पाइप के भीतर घुसकर वेल्डिंग करके क्रेक को बंद किया जो भीतरी चट्टान के टकराने के कारण आया था। इस सुधार के बाद 14 सितंबर की सुबह से पानी सप्लाई व्यवस्था नियमित कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से इस पाइप को वर्ष 2000 में डाला गया था। अभी भाठागांव मेन रोड में लगातार हैवी ट्रैफिक के कारण होने वाले कंपन के कारण क्रेक आने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जल जीवन मिशनः हालात जस के तस राज्यांश मिला पर केन्द्रांश का इंतजार

भुगतान के अभाव में कामकाज में ठहराव

राज्यांश के जिलों को आबंटन में भी विवाद

नवभारत ब्यूरो। रायपुर। जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में कामकाज की गति अभी भी जस की तस बनी हुई है। बारिश के मौसम की वजह से वैसे ही निर्माण कार्य ठप पड़े हुए हैं। अब मानसून कमजोर पड़ने के बाद भी उन क्षेत्रों में कोई हलचल नजर नहीं आ रही है, जहां पहले से ही सोर्स के अभाव में विवाद की स्थिति बनी हुई थी। भुगतान को लेकर अभी भी नाराजगी दूर नहीं हो पाई है। सोर्स के एवज में भुगतान के निर्देशों के बाद अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है। इधर करीब दो माह पहले राज्यांश के तौर पर 371 करोड़ जारी किए गए लेकिन अब तक केन्द्रांश का इंतजार है।

जल जीवन मिशन के तहत कामकाज अभी पटरी पर नहीं आया है। सोर्स नहीं होने की वजह से रोके गए भुगतान को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। यही वजह है कि जमीनी स्तर पर मिशन के कामकाज पर लगभग ब्रेरक लगा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक राज्यांश के तौर पर 371 करोड़ जारी किए गए लेकिन इसका भी सभी जिलों में आबंटन नहीं हो पाया। कुछ जिलों को ही आबंटन दिया गया है, इसमें भी पूरा भुगतान नहीं हो पाया है। भुगतान को लेकर तय किए गए अलग-अलग क्राईटेरिया की वजह से भी निर्माण एजेंसियों को पीछे हटना पड़ रहा है। संबंधित कई दस्तावेज

केन्द्रांश अब तक नहीं मिला

छत्तीसगढ़ को केन्द्रांश की राशि नहीं मिलने की वजह से भी दिक्कतें सामने आ रही हैं। सूत्रों की मानें तो संतोषजनक प्रगति नहीं होने की वजह से केन्द्रांश जारी नहीं किया गया है। कार्य पूर्णता का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत नहीं कर पाना इसकी वजह हो सकती है।

उपलब्ध कराने में ही पसीने छूट रहे हैं। नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि राज्यांश की राशि जारी होने के कुछ माह बाद चुनिंदा जिलों को ही आबंटन दिया गया। दूसरी तरफ वित्त विभाग के निर्देश थे कि यह राशि सिंगल विलेज योजनाओं के लिए दी जाए लेकिन इसमें से ही लगभग सौ करोड़ की राशि मल्टी विलेज योजनाओं के लिए आबंटित कर दी गई। निर्माण एजेंसियों का दावा है कि काम पूरा होने के बावजूद राशि नहीं मिलने से अन्य कार्यों को आगे बढ़ाने में दिक्कत होगी।

मेडिकल

दर्शनीय होगा विधानसभा का नया भवन, पर्यटन केन्द्र भी बनेगा

छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति व शिल्प की मिलेगी झलक, भवन का लगभग 95 फीसदी काम पूरा

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा का नवीन भवन अक्टूबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। नए भवन में इंटीरियर, फिनिशिंग व फर्नीचर का काम जोरों पर है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवीन विधानसभा भवन को छत्तीसगढ़ की जनता को समर्पित करेंगे। वहीं, विधानसभा का आगामी शीतकालीन सत्र नए भवन में आहूत करने की तैयारी है।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का दावा है कि नया विधानसभा भवन छत्तीसगढ़ के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए दर्शनीय भवन होगा। विधानसभा भवन परिसर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देशभर से लोग यहां आकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर सकें। नवीन भवन में छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और शिल्प की झलक मिलेगी। नवीन विधानसभा भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है और सभी कार्यों को निर्धारित समय में पूरा कर लिया जाएगा। विधानसभा भवन का सिविल कार्य पूर्ण होने के बाद अब फिनिशिंग, फर्नीचर और

इंटीरियर का काम तेजी से चल रहा है। नए भवन में विंग-ए जहां विधानसभा सचिवालय लगेगा और विंग-सी जहां उप मुख्यमंत्रियों व मंत्रियों के कार्यालय रहेंगे, उसका काम पूरा हो चुका है। विधानसभा के सदन, सेंट्रल हॉल, मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय वाले विंग-बी में भी फर्नीचर और इंटीरियर का काम पूर्णता की ओर है। विधानसभा के सदन में विधायकों के लिए कुर्सियां व टेबल भी जल्द लगाने की तैयारी है। इसके अलावा नवीन भवन में ई-विधानसभा का काम भी शुरू किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि नवीन भवन का लगभग 95 फीसदी काम पूरा हो गया है और फिनिशिंग के बाद भवन को हैंडओवर कर दिया जाएगा।

200 सदस्यों की बैठक क्षमता का सदन- छत्तीसगढ़ विधानसभा का नया भवन 52 एकड़ में बन रहा है। इसके सदन में सदस्यों की बैठक क्षमता 200 होगी। विधानसभा भवन के एक विंग में विधानसभा सचिवालय, दूसरे में विधानसभा का सदन, सेंट्रल-हॉल, विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री का कार्यालय तथा तीसरे विंग में मंत्रियों के कार्यालय होंगे।

500 दर्शक क्षमता का ऑडिटोरियम - विधानसभा भवन परिसर में 500 दर्शक क्षमता का ऑडिटोरियम बनाया जा रहा है। वहीं, 700 कार पार्किंग क्षमता वाले परिसर में डेढ़-डेढ़ एकड़ के दो सरोवरों का निर्माण प्रस्तावित है।

खर्च 324 करोड़ रुपए अनुमानित- विधानसभा के नवीन भवन पर अब 324 करोड़ रुपए खर्च अनुमानित है। पहले 273 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली थी। इसके बाद अतिरिक्त राशि के लिए पुनर्निरीक्षित प्राक्कलन को मंजूरी दी गई है। नए भवन में वाटर हार्वेस्टिंग, अत्याधुनिक ऑडियो-वीडियो प्रणाली व सोलर पैनल की सुविधा होगी।

3 साल पहले शुरू हुआ था काम- नवीन विधानसभा भवन का कार्यादेश अगस्त 2022 को दिया गया था। कार्य पूर्ण होने की अवधि 24 माह निर्धारित की गई थी। भवन निर्माण का ठेका कोरबा की कंपनी को मिला है।

सफलता

अम्बेडकर अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में रवांडा की युवती की हुई सर्जरी

ब्रेस्ट के बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर की सफल सर्जरी

इससे पहले लाइटलेम्बा क्रिसेंट की युवती का हो चुका है सफल उपचार

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति अस्पताल लगातार अपनी उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं से न केवल प्रदेश और देश, बल्कि विदेशों से आए मरीजों का भी भरोसा जीत रहा है। हाल ही में अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में रवांडा (ईस्ट अफ्रीका) की 20 वर्षीय युवती के लेफ्ट ब्रेस्ट के बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया गया।

जनरल सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह के नेतृत्व में हुए इस ऑपरेशन की विशेषता यह रही कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद मरीज के भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इस सर्जरी का कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। डॉ. सिंह के अनुसार 20 वर्षीय विदेशी युवती कुछ दिन पहले लेफ्ट ब्रेस्ट में दर्द की

समस्या के साथ अस्पताल के ब्रेस्ट क्लिनिक में आई थी। जांच के बाद पता चला कि उसके ब्रेस्ट में बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर है। मरीज की बायोप्सी हुई। उसके बाद ब्रेस्ट की कॉस्मेसिस मेंटेन करते हुए ऑपरेशन किया गया। ब्रेस्ट के ट्यूमर एवं उसके आसपास के टिश्यू को हटाते हुए वाइड लोकल एक्सीजन किया गया। इस बात का ध्यान रखा गया कि ब्रेस्ट के शेप और साइज में कोई अंतर नहीं आये। साथ ही साथ सर्जरी के बाद निशान भी दिखाई नहीं दे। ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. मंजू सिंह के साथ डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. मनीष साहू, डॉ. कृतिका एवं डॉ. तपिश, एनेस्थीसिया से डॉ. प्रतिभा शाह एवं डॉ. मंजुलता टंडन एवं अन्य शामिल रहे। गौरतलब है कि इससे पहले भी जनरल सर्जरी विभाग में दक्षिण अफ्रीका की एक युवती का सफल उपचार किया जा चुका है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने कहा कि कॉलेज एवं अस्पताल के लिए यह गर्व की बात है कि यहां न केवल देश, बल्कि विदेश से भी मरीज उपचार हेतु आ रहे हैं और स्वस्थ होकर लौट रहे हैं। जनरल सर्जरी विभाग द्वारा युवती का सफल उपचार हमारी चिकित्सा टीम की दक्षता, निष्ठा और समर्पण का प्रमाण है।

ओपीडी में प्रतिमाह 300 से 400 केस ब्रेस्ट के

अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि जनरल सर्जरी विभाग की ओपीडी में ब्रेस्ट क्लिनिक का संचालन नियमित तौर पर किया जा रहा है। यहां पर प्रतिमाह 300 से 400 ब्रेस्ट से संबंधित समस्याओं के केस महिला डॉक्टरों के द्वारा देखे जाते हैं। जांच के पश्चात जरूरत पड़ने पर ऑपरेशन भी किया जाता है। वर्तमान में जनरल सर्जरी विभाग में ब्रेस्ट की रीडक्शन सर्जरी भी की जा रही है, जिसमें स्तनों के असामान्य आकार को ऑपरेशन के जरिए सामान्य स्थिति में लाया जाता है।

डॉक्टर दंपती के घर का ताला टूटा 22 दिन बाद हुई एफआईआर

कबीरनगर में दिनदहाड़े चोरी, जेवर, घड़ियां और नकदी ले गए चोर

रायपुर। कबीरनगर में गुरुद्वारा के पास रहने वाले एक डॉक्टर दंपती के सूने मकान में 20 अगस्त को चोरी हो गई। एम्स के किडनी रोग विभाग में पदस्थ डॉ. शिवम पटेल दोपहर में ड्यूटी से लौटे, तब ताला टूटा पाया। इस मामले में 22 दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई है। चोरों ने पूरे घर की तलाशी ली और दो आलमारियों को तोड़कर सोने की अंगूठियां, 20 हजार कीमत की पांच घड़ियां और 25 हजार रुपए कैश ले गए। डॉ. पटेल ने पुलिस को बताया कि 20 अगस्त को वह सुबह 9 बजे ड्यूटी पर निकल गए थे। उनकी पत्नी डॉ. मोहिनी कुशवाहा साढ़े 10 बजे अस्पताल चली गईं। घर में ताला लगा हुआ था। दोपहर तीन बजे वह लौटे तो ताला दरवाजा टूटा मिला। आलमारी का सामान बिखरा हुआ था। यहां उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त के बाद कोटा, तेलीबांधा और डीडी नगर के आधा दर्जन सूने घरों में लाखों की चोरी हुई है। कुछ दिन पहले तेलीबांधा ग्रीन पैराडाइज कॉलोनी निवासी सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट राजीव कुमार और उनके परिवार को सोते समय कमरे में बंद करके चोरों ने लाखों की ज्वेलरी, मोबाइल फोन एवं एक लाख कैश चुराए थे। कोटा इलाके में रहने वाली डॉक्टर के मकान से साढ़े सात लाख कैश चोरी की रिपोर्ट भी सरस्वती नगर थाने में दर्ज है। इसी तरह डंगनिया निवासी हायर सेकेंडरी स्कूल की व्याख्याता के घर से भी लाखों के जेवरों की चोरी हुई है। एक महीने में डीडी नगर के सत्यम विहार, साई विहार समेत आसपास की अन्य कॉलोनियों के पांच-छह सूने घरों में चोरी की सूचना थाने में दर्ज है।

MCL
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)
जागृति विहार, बुर्ला - 768 020, जिला - सम्बलपुर, ओडिशा
दूरभाष (ईपीएबीएक्स) : 0663-2542461 से 469, वेबसाइट : http://www.mahanadicoal.in

सूचना

"सामग्रीयों की खरीद कार्यो एवं सेवाओं के लिए सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है या इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

R-5269